

(d) the manner in which such debt is repaid by the States?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI R. VENKATARAMAN): (a) Loans are given to the State Governments keeping in view the resources of the Central and State Governments and their financial requirements for developmental and non-developmental purposes.

(b) and (c). A statement giving the latest available information is laid on the Table of the House.

(d) A major portion of the Central loans outstanding against the States as on 31-3-1979 has been consolidated and rescheduled as 15-year and/or 30-year loans, after excluding a part of the loan which is to be written off, in terms of the recommendations of the Seventh Finance Commission. The other Central loans outstanding on 31-3-1979, which are not covered by the scheme of consolidation, mainly relate to Small Savings loans, in respect of which no repayment is to be made by State Governments during the 5-year period 1979-84, or subsequent loans given to the States, the repayment terms vary with reference to the nature of each loan.

Statement

Central loans outstanding against State Governments as on 31-3-1979.*

Rs. in Crores)

States	Amount
1. Andhra Pradesh	1074.75
2. Assam	601.89
3. Bihar	1243.26
4. Gujarat	530.59
5. Haryana	318.19
6. Himachal Pradesh	153.21
7. Jammu & Kashmir	602.98
8. Karnataka	673.18
9. Kerala	547.52
10. Madhya Pradesh	741.46
11. Maharashtra	1007.16
12. Manipur	57.16

13. Meghalaya	25.03
14. Nagaland	46.96
15. Orissa	717.25
16. Punjab	398.81
17. Rajasthan	964.85
18. Sikkim	6.65
19. Tamil Nadu	778.26
20. Tripura	40.84
21. Uttar Pradesh	1951.86
22. West Bengal	1394.54

Total all States 13876.35

*Figures provisional.

Decline in Export of Indian Garments

3595. SHRI RASHID MASOOD:
SHRI RAM VILAS PASWAN:
SHRI JAGPAL SINGH:

Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the export of Indian garments has declined considerably;

(b) if so, the extent of decline in the export of Indian garments during the last three years and the reasons therefor;

(c) the loss in the foreign exchange earnings as a result thereof; and

(d) the steps taken by Government to improve the exports of Indian garments?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI KHURSHED ALAM KHAN): (a) No, Sir. The value of export of Indian garments during 1977-78, 1978-79 and 1979-80 is given below:—

1977-78	Rs. 250.66 crores
1978-79	Rs. 323.97 crores
1979-80	Rs. 338.39 crores (provisional)

(b) Does not arise.

(c) Does not arise in view of (a) and (b) above.

(d) The Apparels Export Promotion Council coordinates efforts to boost exports of garments. It also organises participation in international fairs and conducts study missions to various markets. Further, cash compensatory support, replenishment licences and duty drawback are available to the exporters of garments as per rates prescribed.

रांची के लिए फ्लाईंग क्लब

3596. श्री शिव प्रसाद साहू : क्या पर्यटन और नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या रांची के नागरिकों द्वारा काफी लम्बे समय से एक फ्लाईंग क्लब की स्थापना करने और रात में विमान उतरने की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की जा रही है;

(ख) क्या यह सच है कि मंत्रालय ने रात में विमानों के उतारने की सुविधा उपलब्ध कराने और एक फ्लाईंग क्लब खोलने के प्रस्ताव पर विचार कर लिया है; और

(ग) यदि हां, तो उपर्युक्त दोनों सुविधाएं रांची में कब तक उपलब्ध कराई जाएंगी?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (श्री जनन्त प्रसाद शर्मा) : (क) से (ग). बिहार फ्लाईंग इंस्टिट्यूट, पटना 1979 में नागर विमानन विभाग से उन्हें रांची में अपनी एक शाखा खोलने की अनुमति देने का अनुरोध किया था। इस अनुरोध को इस विश्वास पर मान लिया गया है कि रांची में रखे गये विमान को रखने के लिये राज सरकार एक हंगर बना देगी। पूर्व सूचना होने पर रांची एयरफील्ड को पैराफीन बस्तियों की सहायता से रात्रि परिचालनों के लिये उपलब्ध कराया जा सकता है। रात्रि उड़ानों के लिये पैराफीन बस्तियों का प्रयोग इसलिये करना पड़ता है क्योंकि बिजली की धावनपथ बस्तियां और एप्रोच बस्तियां उपलब्ध नहीं हैं।

अफीम की जांच करने के लिए प्रयोगशालाएं

3597. प्रो. निर्मला कुमारी शर्मा क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में अफीम की जांच करने वाली प्रयोगशालाएं कहां-कहां स्थित हैं;

(ख) क्या जिन स्थानों में जांच प्रयोगशालाएं नहीं हैं वहां ऐसी जांचों के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया दोषपूर्ण नहीं होती है;

(ग) क्या राजस्थान में, जहां देश की सबसे अधिक अफीम होती है, इस प्रकार की जांच करने की कोई प्रयोगशाला नहीं है; और

(घ) क्या सरकार का राजस्थान के दक्षिण भागों में, जहां कि देश की सबसे अधिक अफीम का उत्पादन होता है, निकट भविष्य में इस प्रकार की एक प्रयोगशाला को स्थापित करने के विचार है?

वित्त मंत्रालय में राज्यमंत्री (श्री सवाई सिंह सिसौदिया) : (क) और (ख). अफीम की जांच करने वाली प्रयोगशालाएं गाजीपुर (उत्तर प्रदेश) और नीमच (मध्य प्रदेश) स्थित सरकारी अफीम कारखानों में तथा नई दिल्ली स्थित केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला में मौजूद हैं। काश्तकारों से वसूल की गई अफीम की अन्तिम जांच केवल इन्हीं प्रयोगशालाओं में ही की जाती है। परन्तु ताल केन्दों पर काश्तकारों द्वारा साँपी गई अफीम का अन्तिम आधार पर पर प्रारम्भिक वर्गीकरण जिला अफीम अधिकारियों द्वारा हाथ से परख कर और देखकर अफीम की जांच करके किया जाता है।

(ग) जी, नहीं।

(घ) जी, नहीं।

Claims of Policy Holders Repudiated by L.I.C.

3598. SHRI S. A. DORAI SEBASTIAN: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether the Consumer Education and Research Centre, Ahmedabad has found out that claims ranging from